



Mohit



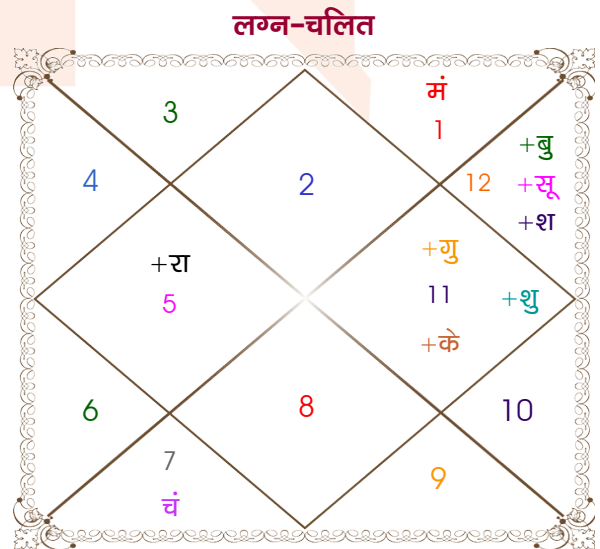
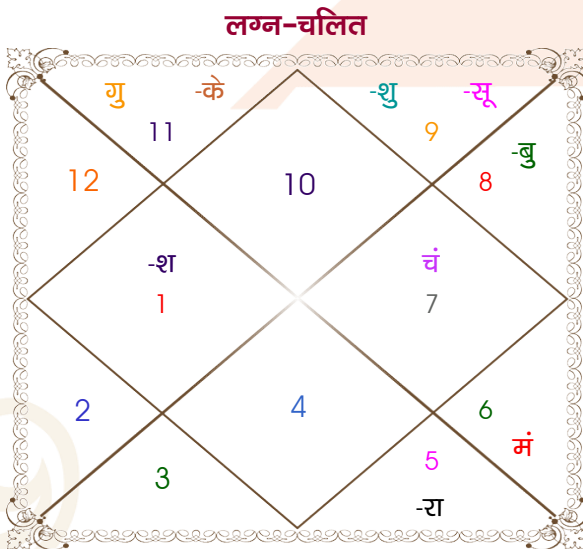
Riya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119766802

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग \_\_\_\_\_  
 16/12/1998 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 12/04/1998  
 बुधवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : रविवार  
 घंटे 10:30:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 08:25:00 घंटे  
 घंटे 08:19:26 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 06:03:20 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
 Karnal : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Kurukshetra  
 29:41:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 29:59:00 उत्तर  
 76:59:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 76:51:00 पूर्व  
 82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
 घंटे -00:22:04 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:22:36 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
 07:10:13 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 05:59:56  
 17:24:59 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 18:47:32  
 23:50:22 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:49:51

| विंशोत्तरी         |            | अंश      | राशि   | ग्रह     | राशि   | अंश      | विंशोत्तरी          |            |
|--------------------|------------|----------|--------|----------|--------|----------|---------------------|------------|
| गुरु 4वर्ष 3मा 7दि |            | 20:35:51 | मक     | लग्न     | वृष    | 11:44:45 | मंगल 3वर्ष 4मा 17दि |            |
| बुध                |            | 00:10:50 | धनु    | सूर्य    | मीन    | 28:10:38 | गुरु                |            |
| 24/03/2022         |            | 29:46:32 | तुला   | चंद्र    | तुला   | 00:13:39 | 29/08/2019          |            |
| 24/03/2039         |            | 16:25:52 | कन्या  | मंगल     | मेष    | 05:28:44 | 29/08/2035          |            |
| बुध                | 20/08/2024 | 09:16:55 | वृश्चि | बुध व    | मीन    | 18:45:43 | गुरु                | 16/10/2021 |
| केतु               | 17/08/2025 | 26:06:05 | कुंभ   | गुरु     | कुंभ   | 21:49:21 | शनि                 | 29/04/2024 |
| शुक्र              | 17/06/2028 | 11:43:45 | धनु    | शुक्र    | कुंभ   | 12:21:37 | बुध                 | 04/08/2026 |
| सूर्य              | 23/04/2029 | 03:05:43 | मेष व  | शनि      | मीन    | 29:20:32 | केतु                | 11/07/2027 |
| चन्द्र             | 23/09/2030 | 00:19:11 | सिंह व | राहु व   | सिंह   | 16:06:12 | शुक्र               | 11/03/2030 |
| मंगल               | 20/09/2031 | 00:19:11 | कुंभ व | केतु व   | कुंभ   | 16:06:12 | सूर्य               | 29/12/2030 |
| राहु               | 08/04/2034 | 16:21:06 | मक     | हर्ष     | मक     | 18:23:54 | चन्द्र              | 29/04/2032 |
| गुरु               | 14/07/2036 | 06:40:50 | मक     | नेप      | मक     | 08:11:42 | मंगल                | 04/04/2033 |
| शनि                | 24/03/2039 | 14:41:47 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 13:57:19 | राहु                | 29/08/2035 |



## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट    | वर      | कन्या   | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र         |
|--------|---------|---------|-----|---------|-----|-----------------|
| वर्ण   | शूद्र   | शूद्र   | 1   | 1.00    | --  | जातीय कर्म      |
| वश्य   | मानव    | मानव    | 2   | 2.00    | --  | स्वभाव          |
| तारा   | विपत    | मित्र   | 3   | 1.50    | --  | भाग्य           |
| योनि   | व्याघ्र | व्याघ्र | 4   | 4.00    | --  | यौन विचार       |
| मैत्री | शुक्र   | शुक्र   | 5   | 5.00    | --  | आपसी सम्बन्ध    |
| गण     | राक्षस  | राक्षस  | 6   | 6.00    | --  | सामाजिकता       |
| भकूट   | तुला    | तुला    | 7   | 7.00    | --  | जीवन शैली       |
| नाड़ी  | अन्त्य  | मध्य    | 8   | 8.00    | --  | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल :  |         |         | 36  | 34.50   |     |                 |

डवीपज का वर्ग सर्प है तथा Riya का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डवीपज और Riya का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

डवीपज मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Riya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**

**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Riya कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डवीपज तथा Riya में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।